"घोषणा –पत्र"

फार्म – ए

(भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, विनियम – 3 देखिये)

(एक) मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं अपना जीवन मानवता की सेवा में समर्पित करूंगा/करूंगी।

(दो) मैं किसी धमकी के होते हुए भी, मानवता के सिद्धांतों के प्रतिकूल अपने ज्ञान का प्रयोग नहीं करूंगा/करूंगी।

(तीन) मैं मानव के गर्भ में आने के समय से ही मानव जीवन के प्रति अत्यंत आदर रखूंगा/रखूंगी।

(चार) मैं अपने कर्त्तव्य और रोगी के बीच धर्म, राष्ट्रीयता, मूलवंष, दलीय राजनीति या सामाजिक प्रतिष्ठा के विचार को व्यवधान नहीं बनने दूंगा/दूंगी।

(पांच) मैं अपना व्यवसाय निष्ठापूर्वक और गरिमा के साथ करूंगा/करूंगी।

(छः) मेरे रोगी का स्वास्थ्य मेरा प्रथम लक्ष्य होगा।

(सात) मैं उन रहस्यों की, जो मुझे ज्ञात होंगे गोपनीयता बनाए रखूंगा/रखूंगी।

(आठ) मैं अपने गुरूजनों के प्रति आदर और कृतज्ञता रखूंगा/रखूंगी, जिसके वे पात्र हैं ।

(नौ) मैं चिकित्सा व्यवसाय के सम्मान तथा आदर्ष परम्पराओं का अपनी शक्ति और सामर्थ्य भर पालन करूंगा/करूंगी।

(दस) मैं अपने सहयोगियों के प्रति भातृभाव रखूंगा/रखूंगी।

(ग्यारह) मैं व्यवसायिक आचरण के मानदण्डों तथा षिष्टाचार को बनाए रखूंगा/रखूंगी और विनियमों में अधिकथित आचार संहिता का पालन करूंगा/करूंगी।

मैं निष्ठापूर्वक, स्वेच्छा से तथा शपथपूर्वक यह घोषणा करता/करती हूँ तथा इसका पालन करने का वचन देता/देती हूँ।

स्थान --------------------

दिनांक --------------------

....

आवेदक के हस्ताक्षर

पूरा नाम ....